॥ श्रीरामदूताय नमः ॥

प्रमुख हनुमान भजन

पारंपरिक वंदना और नाम-संकीर्तन

मंगल मूरति मारुत नंदन

मंगल मूरति मारुत नंदन।
सकल अमंगल मूल निकंदन॥पवनतनय संतन हितकारी।
हृदय बिराजत अवध बिहारी॥मातु-पिता, गुरु, गणपति, सारद।
सिया-समेत संभु, सुक, नारद॥चरन बंदि बिनवौं सब काहू।
देहु रामपद नेह निबाहू॥बंदौं राम-लखन-बैदेही।
जे तुलसी के परम सनेही॥

मनोजवं मारुततुल्यवेगम्

मनोजवं मारुततुल्यवेगं
जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम्।
वातात्मजं वानरयूथमुख्यं
श्रीरामदूतं शरणं प्रपद्ये॥

अतुलति बलधामं

अतुलतिबलधामं हेमशैलाभदेहं
दनुजवनकृशानुं ज्ञानिनामग्रगण्यम्।
सकलगुणनिधानं वानराणामधीशं
रघुपतिप्रियभक्तं वातजातं नमामि॥

जय हनुमान नाम-संकीर्तन

जय हनुमान, जय हनुमान।
श्रीरामदूत जय हनुमान॥जय बजरंगी, जय हनुमान।
संकटमोचन जय हनुमान॥राम के सेवक, जय हनुमान।
भक्तों के प्रिय, जय हनुमान॥

श्रीराम जय राम

श्रीराम जय राम, जय जय राम।
श्रीराम जय राम, जय जय राम॥सीताराम, सीताराम।
सीताराम, जय सीताराम॥

पाठ श्रद्धा और सद्भाव से प्रस्तुत है। विभिन्न प्रचलित प्रतियों में वर्तनी या पाठ-भेद मिल सकते हैं। किसी निश्चित फल या उपचार की गारंटी नहीं है।